बढ़ायी गई यूपी कैडेट प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तिथि

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा उत्तर प्रदेश संयुक्त .षि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (न्ब|जन्ज)–2025 के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 17 मार्च से प्रारंभ होकर 07 मई तक थी, जिसे विस्तारित करते हुए 18 मई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं 19 मई तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते है। प्रदेश के षि विश्वविद्यालयो में संचालित विभिन्न विषयों में युवा वर्ग अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है। यह प्रवेश परीक्षा 11 केंद्रों पर दिनांक 11 व 12 जून 2025 को संपन्न कराई जाएगी। .षि इंजीनियरिंग कॉलेज इटावा परिसर के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) एन के शर्मा ने बताया कि .षि एवं तकनीकी विषयों में शिक्षा, रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं है। जो विद्यार्थी .षि इंजीनियरिंग, दुग्ध प्रौद्योगिकी, मत्स्य विज्ञान में या विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हो वह विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट पर सूचना विवरणिका पढ़कर प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन कर सकते है।

हिन्दी दैनिक

हिन्दी दैनिक अवधनामा
www.avadhnama.com
सूर्योदय : 5:21
सूर्यास्त : 6:43
अधिकतम तापमान : 41.0
न्यूनतम : 29.0
RNI NO : UPHIN/2010/31173
डाक पंजीकरण संख्या: SSP/LW/NP-422/2014-2016
वर्ष-18 अंक-320 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, गुरुवार, 15 मई 2025
16 ज़िल्काद 1446 हिजरी

बढ़ायी गई यूपी कैटेट प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तारीख

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (PCATàßT)-2025 के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया दिनांक 17 मार्च 2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 07 मई 2025 तक थी, जिसे विस्तारित करते हुए दिनांक 18 मई 2025 ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं 19 मई 2025 तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते है। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयो में संचालित विभिन्न विषयों में युवा वर्ग अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है। यह प्रवेश परीक्षा 11 केंद्रों पर दिनांक 11 व 12 जून 2025 को संपन्न कराई जाएगी। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज इटावा परिसर के अधिष्ठाता प्रो.(डॉ.)एन के शर्मा ने बताया कि कृषि एवं तकनीकी विषयों में शिक्षा, रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं है। जो विद्यार्थी इटावा में संचालित कृषि इंजीनियरिंग, दुग्ध प्रौद्योगिकी, मत्स्य विज्ञान में या विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हो वह विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट httà¿s://uà¿catet.net एवं www.csauk.ac.in पर सूचना विवरणिका पढ़कर प्रवेश परीक्षा हेतु

15/05/2025

मिट्टी की जांच कराने से पोषक तत्वों का चलता पता, मिलती अच्छी उपज

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात: मिट्टी की जांच किसानों को जरूर करानी चाहिए, इससे पता चल जाता है कि मिट्टी में किस पोषक तत्व की कमी है। उसके लिए फिर कवायद की जाती है और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसके बाद फसल का उत्पादन भी अच्छा हो जाता है। यह सभी किसानों को जरूर कराना चाहिए और यह निःशुल्क है। यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने कहीं। इस दौरान पाठकों के सवालों के जवाब उन्होंने दिए व हरी खाद के खेती में मिलने वाले फायदे भी गिनाए।

डा. खलील खान• जागरण

• मृदा नमूना के लिए क्या उद्देश्य होता है।

रामप्रकाश रूरा

– नमूना लेने का तीन उद्देश्य हैं, एक तो फसल जिस खेत में उगानी है उस मिट्टी की, दूसरा बागवानी करनी होती है, तीसरा अगर खेत ऊसर है तो नमूना लेने का तरीका अलग है।

• मिट्टी का नमूना लेने का सर्वोत्तम समय कब होता है।

राजेश कुमार अकबरपुर

– अप्रैल से लेकर बारिश के पूर्व तक मिट्टी नमूना लेना सही रहता है। इस समय फसल कटकर जोताई हो चुकी होती है और खेत पूरी तरह से खाली रहता है।

• हरी खाद जिस खेत में की थी उसमें फिर से इसे बो सकते हैं।

चरण सिंह यादव, औरंगाबाद

– हरी खाद की खेती की जा सकती है इससे कोई नुकसान नहीं है। लेकिन अधिक बार इसे न करें बाकी फसल भी ले सकते हैं।

• मिट्टी नमूना लेते समय ध्यान देने वाली कौन सी बात होनी चाहिए।

अजय कुमार सिंह, शिवली

– मृदा नमूना लेते समय किसान खाद के गड्ढों, जलभराव वाले स्थान या पेड़ के नीचे की मिट्टी न लें, वरना नमूना गलत हो सकता है, खेत के चारों कोनों व एक बीच से नमूना लें यह सही रहता है।

• मिट्टी की हम जांच कैसे करा सकते हैं इसके बारे में बताएं।

अर्जुन, रसूलाबाद, सत्यम सिकंदरा

– जनपदस्तरीय प्रयोगशाला बारा में है या कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर या कृषि विश्वविद्यालय में नमूना जांच करा सकते हैं। यह पूरी तरह से निःशुल्क है जांच के बाद आपका मृदा कार्ड बना दिया जाता है।

• हरी खाद फसल लेने के कितने दिन पूर्व खेत में मिला देनी चाहिए।

शफीक कुरैशी सट्टी

– खरीफ फसल जैसे धान, मक्का ज्वार, बाजरा, उर्द या मूंग की फसल लेने के 20 दिन पहले हरी खाद को मिला दें व सड़ा गला दें, जिससे कि फसलों को पोषक तत्व मिल सकें।

• एक एकड़ ढैंचा की खेती में कितने टन हरी खाद मिलती है।

सुरजीत यादव, लिगाई

– औसतन से 25 से 30 टन खाद तैयार हो जाती है। जिसमें 80 से 120 किलोग्राम नाइट्रोजन, 12 से 15 किलो फास्फोरस, आठ से 10 किलो पोटाश मिट्टी को मिल जाता है इससे प्रति एकड़ धान की फसल में रासायनिक उर्वरक में होने वाले खर्च में करीब दो हजार की बचत हो जाती है। बंजर भूमि के लिए यह वरदान है।

• हरी खाद से लाभ क्या होते हैं उसे बताएं।

सत्यनारायण मुकीमपुर व असगर रसूलाबाद

– मृदा को यह भुरभुरी करता है, जलधारण क्षमता में बढ़ोतरी होती है, अम्लीयता व क्षारीयता में सुधार करता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में भूमि का कटाव कम होता है, मिट्टी के सूक्ष्म जीवों की संख्या में वृद्धि होती है।

सच की अहमियत

9:01 pm

यू पी कैटेट प्रवेश परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 18 मई तक

सच की अहमियत ब्यूरो चीफ नफीस अंसारी

इटावा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (वढउअळएळ)-2025 के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया दिनांक 17 मार्च 2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 07 मई 2025 तक थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए दिनांक 18 मई 2025 ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं 19 मई 2025 तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर सकते है। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयो में संचालित विभिन्न विषयों में युवा वर्ग अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है। यह प्रवेश परीक्षा 11 केंद्रों पर दिनांक 11 व 12 जून 2025 को संपन्न कराई जाएगी। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज इटावा परिसर के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) एन के शर्मा ने बताया कि कृषि एवं तकनीकी विषयों में शिक्षा,रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं है। जो विद्यार्थी इटावा में संचालित कृषि इंजीनियरिंग, दुग्ध प्रौद्योगिकी, मत्स्य विज्ञान में या विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हो वह विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट https:upctet.fet एवं पर सूचना विवरणिका पढ़कर प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन कर सकते है।

9:06 pm